

दर्द मेरे दिल का मिटा

दर्द मेरे दिल का मिटा क्यूँ नहीं देते,
बिहरिजी मुझे बंदावँ बुला क्यूँ नहीं लेते,
दर्द मेरे दिल का मिटा क्यूँ नहीं देते,

तुम्हे ही ढूँढती रहती है नज़ारे मेरी,
बिन तेरे कुच्छ भी नहीं प्यारे ज़िंदगी मेरी,
आके एक बार ही सिने से लगा क्यूँ नहीं लेते,
दर्द मेरे दिल का मिटा क्यूँ नहीं देते,

सुना है पापी भी टार जाते है तेरे दर्द आके,
मई आ गया हू जमाने की ठोकरे खाके,
अपनी चौखट का मुझे पत्थर बना क्यूँ नहीं लेते,
दर्द मेरे दिल का मिटा क्यूँ नहीं देते,

मई तक गया हू जमाने के ताने बुनबुन कर,
हो गया बावरा तेरे दर्द का बस तेरा बन कर,
इस जगत जाल से मूहको भी बचा क्यूँ नहीं लेते,
दर्द मेरे दिल का मिटा क्यूँ नहीं देते,

दर्द मेरे दिल का मिटा क्यूँ नहीं देते,
बिहरिजी मुझे बंदावँ बुला क्यूँ नहीं लेते,
दर्द मेरे दिल का मिटा क्यूँ नहीं देते,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2906/title/dard-mere-dil-ka-mita-kyu-nhi-dete>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |